



# Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

---

No. 33-2015] CHANDIGARH, TUESDAY, AUGUST 18, 2015 (SRAVANA 27, 1937 SAKA)

---

## General Review

---

समीक्षा

श्रम विभाग, हरियाणा की वर्ष 2013 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा।

दिनांक 9 जुलाई, 2015

क्रमांक एस.टी./एस.ए.॥/2012/26736.

- दिनांक 1 जनवरी, 2013 से 31 जनवरी 2013, तक श्रीमति सतवन्ती अहलावत, आई.ए.एस., दिनांक 01.02.2013 से 13.02.2013 तक श्री अरुण कुमार, आई.ए.एस., दिनांक 13.02.2013 से 20.06.2013 श्री अरुण गुप्ता, आई.ए.एस. एवं दिनांक 24.06.2013 से 31.12.2013 तक श्री आनंद मोहन शरण, आई.ए.एस, श्रम आयुक्त, हरियाणा, चण्डीगढ़ में कार्यरत रहे।
- विभाग का प्रशासनिक नियंत्रण दिनांक 01.1.2013 से 31.12.2013 तक श्री पी० के० गुप्ता, आई.ए.एस., अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार के पास रहा।
- इस वर्ष की रिपोर्ट का वर्णन निम्न प्रकार है:-
  - वर्ष 2013 के दौरान हड़ताल व तालाबन्दी के 3 केस हुए तथा सभी कार्यबन्दियों का सफलतापूर्वक निपटारा करवाया गया। इन कार्यबन्दियों के कारण 2084 श्रमिकों पर प्रभाव पड़ा और 577214 श्रम दिवसों की क्षति हुई है। मजदूरी तथा उत्पादन क्षति क्रमशः 5690621 लाख तथा 856.70 लाख रुपये हुई है।
  - समझौता मशीनरी के पास 3913 केस आये जिनमें से 1347 मामलों में समझौता करवाया गया। 353 मामले वापिस लिये गये, 18 मामले रद्द व फाईल किये गये तथा 1693 विवाद अदालती निर्णय के लिये भेजे गये। अतः वर्ष के अन्त में 502 मामले लम्बित रहे।
  - वर्ष के आरम्भ में 328 पंचाट तथा 5 समझौते परिपालना हेतु लम्बित थे वर्ष के दौरान 40 पंचाट तथा 225 समझौते प्राप्त हुये। कुल 368 पंचाट तथा 250 समझौतों में से 55 पंचाट तथा 225 समझौते लागू करवाये गये। इस प्रकार वर्ष के अन्त में 313 पंचाट तथा 25 समझौते परिपालना के लिए लम्बित रहे। पंचाट/समझौतों की परिपालना क्रमशः 14.95 तथा 90 प्रतिशत रही।
  - इसके अतिरिक्त विभाग के क्षेत्रीय स्टाफ ने श्रमिकों को देरी से वेतन देने, कम वेतन देने, नौकरी से हटाने तथा काम के घण्टों आदि से सम्बन्धित 1292 शिकायतों पर कार्यवाही की तथा 1143 शिकायतों का श्रमिकों की सन्तुष्टी अनुसार निपटारा करवाया गया। 149 शिकायतें वर्ष के अन्त में लम्बित रही। इस प्रकार शिकायतों के निपटान का प्रतिशत 88.46 रहा।

- (ड) वर्ष के आरम्भ में 5834 औद्योगिक संस्थाएं आवर्णित थी, जहां 50 या इससे अधिक श्रमिक कार्य करते थे। वर्ष के आरम्भ में 1604 औद्योगिक संस्थाएं थी। वर्ष के दौरान 59 स्थाई आदेश प्रमाणित किये गये। इस प्रकार रिपोर्ट की अवधि के अन्त में 1663 संस्थाओं के पास प्रमाणित आदेश थे जिनमें लगभग 260012 श्रमिक कार्य करते थे।
- (च) वर्ष के आरम्भ में 1586 यूनियन पंजीकृत थी तथा 22 नई यूनियन पंजीकृत की गई 3 युनियनें अपंजीकृत हुई। इस प्रकार वर्ष के अन्त में इनकी संख्या बढ़ कर 1605 हो गई।
- (छ) इस अवधि के दौरान 339 नये कारखाने कारखाना अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत पंजीकृत किये गये। इस प्रकार वर्ष के अन्त में पंजीकृत कारखानों की संख्या बढ़कर 11265 हो गई। इन पंजीकृत कारखानों में 836497 श्रमिकों को रोजगार मिला हुआ है। वर्ष के दौरान पंजीकृत कारखानों में 78 दुर्घटनाएं हुई जिनमें 41 घातक, 35 गम्भीर तथा 2 साधारण थी।
- (ज) पंजाब दुकानात तथा वाणिज्य संस्थापनाओं अधिनियम, 1958 पूरे राज्य में लागू रहा। दुकानों, वाणिज्यक संस्थापनाओं, सिनेमा एवं होटल आदि की संख्या 288952 रही। जिन्होंने 730585 श्रमिकों को रोजगार प्रदान किया हुआ है।
- (झ) समीक्षा अधीन वर्ष के दौरान विभिन्न श्रम अधिनियमों के अन्तर्गत 39338 निरीक्षण किये गये। 5801 मामलों में चालान दायर किये गए। 6366 मामले दोषपूर्ण सिद्ध हुए जिनके फलस्वरूप 20648974 लाख रुपये जुर्माने के रूप में वसूल किये गये तथा 865 मामलों में चेतावनियां दी गई।
- (ञ) श्रम कल्याण बोर्ड ने औद्योगिक श्रमिकों के आश्रितों/विधवाओं को 267.00 लाख रुपये अनुदान के रूप में प्रदान किये। इसके अतिरिक्त कामगारों की लड़कियों की शादी के उत्सव पर 407.97 लाख रुपये 1017 लड़कियों को वर्ष 2013 के दौरान खर्च किये गये।
- (ट) हरियाणा भवन और अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड दिनांक 02.11.2006 से अस्तित्व में आया है। यह बोर्ड निर्माण कर्मकारों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं चला रहा है। बोर्ड ने मृत्यु लाभ, अन्तिम संस्कार, चलती फिरती डिस्पेंसरीज के द्वारा कर्मचारी की चिकित्सा सुविधा तथा मोबाईल शौचालय एवं शिशु गृह की स्थापना आदि पर वर्ष 2013 में 9.80 लाख रुपये खर्च किये हैं, जिसे एकत्र की गई उपकर की राशि से जुटाया गया है। उपकर की राशि वर्ष 2013 में 24720 लाख एकत्रित की गई है।

अनुराग रस्तोगी,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
श्रम विभाग।

### REVIEW OF ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT ON THE WORKING OF LABOUR DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR, 2013

The 9th July, 2015

No. S.T./S.A. II/2012/26736.

1. Smt. Satwanti Ahlawat, IAS remained posted as Labour Commissioner, Haryana from 1-1-2013 to 31-1-2013, Arun Kumar, IAS from 1.02.13 to 13.02.2013, Arun Gupta, IAS from 13.02.13 to 20.06.13 and Anand Mohan Sharan, IAS 24.06.13 to 31.12.2013.
2. The Administrative Control of the Department remained under Shri P. K. Gupta, IAS, Additional Chief Secretary to Government Haryana, from 1.01.2013 to 31.12.2013.
3. During the year under report:-
  - a. There were 3 work Stoppages during the year 2013. All work Stoppages were resolved successfully. These work-stoppages affected 2084 workers and resulted in a loss of 577214 mandays. The loss of wages and production was ₹ 5690621/- lacs and ₹ 856.70 lacs respectively.
  - b. The conciliation machinery of the department handled 3913 disputes. Out of these settlements were brought out in 1347 cases. 353 cases were withdrawn, 18 were filed/rejected and 1693 were sent for adjudication and 502 disputes remained pending at the end of the year.
  - c. 328 awards and 5 agreements were pending for implementation at the beginning of the year. 40 awards and 225 agreements were added during the year under review. Out of these 368 awards and 250 agreements, 55 awards and 225 agreements were got implemented. Thus 313 awards and 25 agreements remained pending for implementation at the end of the year. As such the percentage of implementation of awards and agreements comes to 14.95% and 90% respectively.

- d. 1292 complaints of the workers regarding delayed payment of wages, less payment of wages, termination of services, leave and hours of work etc. were handled by the field staff of the department, of which 1143 were settled to the satisfaction of the workers leaving a balance of 149 complaints pending at the close of the year. As such 88.46 percentages of complaints have been settled.
- e. There were 5834 establishments employing 50 or more worker. Out of it 1604 industrial establishments had certified Standing Orders. 59 Standing Orders were certified during the year. Thus the number of certified Standing Orders at the end of the year rose to 1663 giving employment to about 260012 workers.
- f. At the beginning of the year there were 1586 registered Trade Unions in the State. During the year 22 new unions were registered and 3 unions were de-registered thus at the end of the year the number increased to 1605.
- g. 339 new factories were registered under the Factories Act, 1948. Thus the total number of registered factories rose to 11265 at the end of the year giving employment to 836497 workers. There occurred 78 accidents in registered factories during the year of which 41 were fatal and 35 serious and 2 minor in nature.
- h. The Punjab Shops and Commercial Establishments Act, 1958 remained applicable in whole of the State. The number of shops, commercial establishments, cinemas and hotels etc. were 288952. These gave employment to 730585 workers.
- i. During the year under review 39338 inspections were conducted under various labour laws. 5801 prosecutions were launched and convictions were obtained in 6366 cases. As a result of it a sum of ₹20648974/- lacs was realised as fine. Warnings were issued in 865 cases.
- j. Ex-gratia grant of ₹267.00 lacs was disbursed to the dependents/widows of deceased industrial workers and an amount of ₹407.97 lacs have been spent for 1017 to the daughter of industrial workers on the occasion of marriage during the year 2013.
- k. The Haryana Building and Other Construction Workers Welfare Board has come into force w.e.f. 02.11.2006. The Board is running various schemes for the welfare of registered building and other construction workers in the State. The board has incurred an expenditure of ₹9.80 lacs for providing benefits under various schemes like; Death benefit, Funeral Assistance, Kanyadan scheme, Maternity benefit, Education scholarship scheme, Medical treatment through mobile dispensary vans and Health Insurance Plan etc. Facilities of mobile toilets, mobile creches and labour shed at chowks of the important towns of the State are also being provided to the beneficiaries and their family members during the year 2013. The funds so collected as cess is primarily utilized for the welfare of registered building and other construction workers. However, the cess amount was collected ₹24720 lacs during the year 2013.

ANURAG RASTOGI,  
Principal Secretary to Government Haryana,  
Labour Department.

### पशु पालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की वर्ष 2009–2010 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

दिनांक 3 जुलाई, 2015

क्रमांक 3952-प.पा.-4-2015/9268.

प्रस्तुत वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट पशुपालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की 43वीं रिपोर्ट है। प्राचीन काल से हरियाणा प्रदेश अपनी हरियाणा नस्ल की गायों तथा मुर्राह नस्ल की भैंसों का घर होने के कारण भारत के मान-चित्र पर अपना विशेष स्थान रखता है। संकर प्रजनित पशुओं में चूँकि दूध उत्पादन क्षमता अधिक होती है इसलिए पशुधन में अधिकाधिक उत्पादन क्षमता का संचार करने हेतु संकर प्रजनन प्रणाली राज्य में प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2009–2010 में 5.77 लाख गायों तथा 14.34 लाख भैंसों में कृत्रिम गर्भाधान किया गया जिसके फलस्वरूप 2.7 लाख बछड़े/बछड़ियाँ तथा 5.28 लाख कटड़े/कटड़ियाँ उत्पन्न हुई।

#### पशु स्वास्थ्य

वर्ष 2009–2010 के दौरान हरियाणा राज्य में 2789 पशु संस्थाएं पशु स्वास्थ्य, प्रजनन तथा विभागीय अन्य सभी गतिविधियों हेतु कार्यरत रही हैं।

हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार द्वारा 82.62 लाख टीके तैयार किए गए तथा पशुओं में रोग रोक-थाम हेतु 184.36 लाख टीके पशु चिकित्सा अमले द्वारा लगाए गए ।

### विशेष पशुधन प्रजनन कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2009-10 में संकर बछड़ी पालन के लिए 743 अनुसूचित जाति से सम्बन्धित परिवारों को दाने के रूप में अनुदान दिया गया। इसके अतिरिक्त भेड़ पालन के लिए 102 व सूकर पालन के लिए 92 परिवारों को अनुदान दिया गया और 2 दुधारु पशुओं की इकाइयां स्थापित करवाकर 549 लाभकर्ताओं को सहायता प्रदान की गई।

### भेड़ तथा ऊन विकास कार्यक्रम

भेड़ प्रजनन फार्म हिसार का मुख्य उद्देश्य बढ़िया नस्लों के मेंढे उत्पन्न करके प्रजनन कार्य हेतु भेड़ पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष के दौरान इस फार्म के 446 उत्तम नस्ल के मेंढे भेड़ पालकों को प्रजनन हेतु दिए गए।

ऊन श्रेणीकरण केन्द्र, लोहारु तथा हिसार द्वारा भेड़ पालकों को दलालों के चंगुल से बचाने के लिए उनके घरों से उचित दामों पर 13.00 मीट्रिक टन ऊन खरीदी।

### बकरी विकास कार्यक्रम

उत्तम नस्ल के बकरी की मांग को राज्य में ही पूरा करने के लिए एक बकरी प्रजनन यूनिट की स्थापना राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में की गई थी। यहाँ प्रजनन हेतु उत्तम नस्लों के बकरे पैदा करने के लिए बिट्टल, ए. बी. क्रास, ए.बी. जे. क्रास, ए. जे. क्रास तथा बिट्टल क्रास नस्ल की बकरियां रखी हुई हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 56 उत्तम नस्लों के बकरे रियायती कीमत पर बकरी पालकों को बेचे गए।

### सूकर विकास कार्यक्रम

राजकीय सूकर फार्म अम्बाला तथा सूकर प्रजनन इकाई हिसार का मुख्य उद्देश्य यार्कशायर नस्ल के सूकर पैदा करके प्रजनन हेतु सूकर पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2009-2010 में राजकीय सूकर फार्म, अम्बाला से 320 तथा सूकर फार्म इकाई, हिसार से 65 सूकर, सूकर पालकों को दिए गए।

राज्य में पशुधन एवं कुक्कुट विकास हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप वर्ष 2009-2010 में दूध, अण्डा, ऊन तथा मांस की पैदावार क्रमशः 60.00 लाख मीट्रिक टन दूध, 38522 लाख अण्डों, 12.49 लाख किलोग्राम ऊन तथा 112.12 लाख किलोग्राम मांस का उत्पादन अनुमानित किया गया।

### डेयरी

डेयरी इकाई का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवकों को 20/10/5/3 यूनिट की डेयरी स्थापित कर स्वरोजगार प्रदान करवाने पशु आहार निर्माता एवं व्यवहारियों हेतु मिश्रित पशु आहार, सांद्रण एवं खनिज तथा लवण की गुणवत्ता, समरूपता को पशु आहार आदेश 1999 के आधार पर सुनिश्चित करना तथा उनका पंजीकरण करना तथा डेयरी प्रशिक्षण में 11 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण आयोजित कर उन्हें वैज्ञानिक ढंग एवं तकनीकी साधनों से परिचित कराना है। वर्ष 2009-10 के दौरान 525 व्यक्तियों को डेयरी प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2009-10 के दौरान 1541 डेयरी यूनिट स्थापित की गई तथा 30 पशु आहार निर्माताओं व 139 व्यवहारियों को पंजीकृत किया गया। इसके अतिरिक्त 370 निर्माताओं एवं व्यवहारियों का पंजीकरण अगले तीन वर्षों के लिए नवीकरण किया गया तथा वर्ष 2009-10 के दौरान 2 व्यवहारियों के पंजीकरण रद्द किए गए।

डॉ० महावीर सिंह,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग।

## REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2009-2010.

The 3rd July, 2015

No. 3952-P.Pa.-4-2015/9268.

The present administrative report is the 43rd issue of Animal Husbandry and Dairying Department, Haryana. The State has a special place on the map of India, being the home track of Haryana breed of cows and Murrah breed of buffaloes from ancient times. As crossbred cows are the highest yielders, cross breeding in cows was introduced in the State with exotic semen. During the year 2009-10, 5.77 lacs cows and 14.34 lacs buffaloes have been inseminated and as a result 2.7 lacs cow calves and 5.28 lacs buffalo calves were born.

**ANIMAL HEALTH**

During the year 2009-10, 2789 veterinary institutions remained in force for attending health care breeding work and other activities of the Department.

Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hisar produced 82.62 lacs doses of prophylactic vaccines and 184.36 lacs preventive vaccinations were performed by the Veterinary Staff.

**SPECIAL LIVESTOCK BREEDING PROGRAMME (SCSP)**

During the year 2009-10, under this programme 743 families belonging to Scheduled Castes were given subsidy in the shape of concentrates for calf rearing. In addition, 102 beneficiaries for sheep raising, 92 for piggery and 549 beneficiaries assisted for establishment of 2 milch animal units.

**SHEEP AND WOOL DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main object of Sheep Breeding Farm, Hisar is to produce and supply good quality rams to the breeders at subsidized rates. During the year 446 rams of good breed were supplied to the sheep breeders for breeding purpose.

To save sheep breeders from the clutches of middle men, 13.00 MT wool was purchased at the doorstep of the sheep breeders on reasonable rates by Wool Grading-cum-Marketing Centres at Loharu and Hisar.

**GOAT DEVELOPMENT PROGRAMME**

To meet the demand of good quality bucks in the State, a goat-breeding unit was established at Government Livestock Farm, Hisar. For producing quality bucks for breeding purposes Beetal, A.B. cross, A.B.J. cross, A.J. cross and Beetal cross breeds are maintained. During the year under report, 56 high quality bucks were sold on subsidised rates to the goat breeders.

**PIGGERY DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main object of Piggery Farm, Ambala and Pig Breeding Unit, Hisar is to produce pigs of Yorkshire breed and to supply them to the pig breeders on subsidised rates for breeding purposes. During the year 2009-2010, 320 pigs from Ambala and 65 from Hisar were supplied to the pig breeders for breeding purposes.

As a result of various programmes being implemented by the Department for the development of Livestock and Poultry in the State, the production of milk, eggs, wool and meat was estimated to rise to 60.00 lac MT, 38522 Lac, 12.49 lac kg. and 112.12 lac kg. respectively during the year 2009-10.

**DAIRY**

The main object of Dairy farming is to provide self employment opportunities to educated unemployed youth of the State through the establishment of 20/10/5/3 milch Animals Dairy Units and to ensure availability of good quality compounded cattle feed, concentrates and mineral mixture conforming to the provision of the Cattle Feed Order, 1999 and registering them. The prospective beneficiaries of Dairy units are imparted 11 days dairy training with a view to introduce them to scientific and technical method of dairy farming. 525 persons were imparted dairy training during the year 2009-10.

During the year 2009-10, 1541 units of dairy have been established and 30 cattle feed manufacturers and 139 dealers have been registered and the registration of 370 manufacturers/dealers were renewed for the next three years throughout the State. Registration of 2 dealers have been cancelled during the year 2009-10 in the State.

DR. MAHAVIR SINGH,  
Principal Secretary to Government Haryana,  
Animal Husbandry & Dairying Department.

**पशु पालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की वर्ष 2010-2011 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा**

दिनांक 3 जुलाई, 2015

क्रमांक 3952-प.पा.-4-2015/9268.

प्रस्तुत वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट पशुपालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की 44वीं रिपोर्ट है। हरियाणा प्रदेश प्राचीन काल से अपनी हरियाणा नस्ल की गायों तथा मुराह नस्ल की भैंसों का घर होने के कारण भारत के मान-चित्र पर अपना विशेष स्थान रखता है। संकर प्रजनित पशुओं में चूँकि दूध उत्पादन क्षमता अधिक होती है इसलिए पशुधन में अधिकाधिक उत्पादन क्षमता का संचार करने हेतु संकर प्रजनन प्रणाली राज्य में प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2010-2011 के दौरान 6.43 लाख गायों तथा 15.79 लाख भैंसों में कृत्रिम गर्भादान किया गया जिसके फलस्वरूप 2.27 लाख बछड़े/बछड़ियाँ तथा 5.45 लाख कटड़े/कटड़ियाँ उत्पन्न हुई।

**पशु स्वास्थ्य**

वर्ष 2010-2011 के दौरान हरियाणा राज्य में 2789 पशु संस्थाएं पशु स्वास्थ्य, प्रजनन तथा विभागीय अन्य सभी गतिविधियों हेतु कार्यरत रही हैं।

हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार द्वारा 98.53 लाख टीके तैयार किए गए तथा पशुओं में रोगों की रोक-थाम हेतु 234.62 लाख टीके पशु चिकित्सा अमले द्वारा लगाए गए।

**विशेष पशुधन प्रजनन कार्यक्रम**

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2010-11 में संकर बछड़ी पालन के लिए 693 परिवारों को सान्द्रण दाने के रूप में अनुदान दिया गया। इसके अतिरिक्त भेड़ पालन के लिए 102 व सूकर पालन इकाइयों के लिए 90 परिवारों को अनुदान दिया गया इसके अतिरिक्त 2 दुधारू पशुओं की 501 इकाइयां स्थापित करवाकर उनको भी अनुदान राशि प्रदान की गई।

**भेड़ तथा ऊन विकास कार्यक्रम**

भेड़ प्रजनन फार्म हिसार का मुख्य उद्देश्य बढ़िया नस्लों के मेंढे उत्पन्न करके प्रजनन कार्य हेतु भेड़ पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2010-11 के दौरान इस फार्म के 506 उत्तम नस्ल के मेंढे भेड़ पालकों को प्रजनन हेतु दिए गए।

ऊन श्रेणीकरण केन्द्र, लोहारु तथा हिसार द्वारा भेड़ पालकों को दलालों के चंगुल से बचाने के लिए उनके घरों से ही उचित दामों पर 12.88 मीट्रिक टन ऊन खरीदी।

**बकरी विकास कार्यक्रम**

उत्तम नस्ल के बकरों की मांग को राज्य में ही पूरा करने के लिए एक बकरी प्रजनन यूनिट की स्थापना राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में की गई। यहां प्रजनन हेतु उत्तम नस्लों के बकरे पैदा करने के लिए बिट्टल, ए. बी. क्रास, ए.बी. जे. क्रास, ए. जे. क्रास तथा बिट्टल क्रास नस्ल की बकरियां रखी हुई हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 72 उत्तम नस्लों के बकरे रियायती कीमत पर बकरी पालकों को दिए गए।

**सूकर विकास कार्यक्रम**

राजकीय सूकर फार्म अम्बाला तथा सूकर प्रजनन इकाई हिसार का मुख्य उद्देश्य यार्कशायर नस्ल के सूकर पैदा करके प्रजनन हेतु सूकर पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2010-2011 में राजकीय सूकर फार्म, अम्बाला से 328 तथा सूकर फार्म इकाई, हिसार से 341 सूकर, सूकर पालकों को दिए गए।

राज्य में पशुधन एवं कुक्कुट विकास हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप वर्ष 2010-11 में दूध, अण्डा, ऊन तथा मांस की पैदावार क्रमः 62.67 लाख मीट्रिक टन दूध, 39640 लाख अण्डा, 12.86 लाख किलोग्राम ऊन तथा 125.26 लाख किलोग्राम मांस का उत्पादन अनुमानित किया गया।

**डेयरी**

डेयरी व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवकों को 20/10/5/3 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करवाने व पशु आहार निर्माता एवं व्यवहारियों से मिश्रित पशु आहार, सांद्रण एवं खनिज तथा लवण की गुणवत्ता, समरूपता को पशु आहार आदेश 1999 के आधार पर सुनिश्चित करना तथा उनका पंजीकरण करना व भावी लाभ प्राप्तकर्ताओं हेतु 11 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण आयोजित कर उन्हें डेयरी व्यवसाय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी साधनों से परिचित करवाना है। वर्ष 2010-11 के दौरान 348 व्यक्तियों को डेयरी प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2010-11 के दौरान 1437 डेयरी यूनिट स्थापित की गई तथा 26 पशु आहार निर्माताओं व 111 व्यवहारियों को पंजीकृत किया गया और पूरे राज्य में 260 निर्माताओं एवं व्यवहारियों का अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया तथा 47 पंजीकरण रद्द किए गए।

डा० महावीर सिंह,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग।

**REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2010-2011.**

The 3rd July, 2015

**No. 3952-P.Pa.-4-2015/9268.**

The present administrative report is the 44th issue of Animal Husbandry and Dairying Department, Haryana. The State has a special place on the map of India, being the home track of Haryana breed of cows and Murrah breed of buffaloes since ancient times. As crossbred cows are the highest yielders, cross breeding in cows was introduced in the State with exotic semen. During the year 2010-11, 6.43 lacs cows and 15.79 lacs buffaloes have been inseminated and as a result 2.27 lacs cow calves and 5.45 lacs buffalo calves were born.

**ANIMAL HEALTH**

During the year 2010-11, 2789 veterinary institutions remained in force for attending health care breeding work and other activities of the Department.

Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hisar produced 98.53 lacs doses of prophylactic vaccines and 234.62 lacs preventive vaccinations were performed by the Veterinary Staff.

**SPECIAL LIVESTOCK BREEDING PROGRAMME (SCSP)**

During the year 2010-11, under this programme 693 families belonging to Scheduled Castes were given subsidy for the setting up of 501 units of 2 milch animals, 102 sheep and 90 piggery units during year 2010-11.

**SHEEP AND WOOL DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main object of Sheep Breeding Farm, Hisar is to produce and supply good quality rams to the breeders at subsidized rates. A total of 506 rams of good breed were supplied to the sheep breeders for breeding purpose during this period.

To save sheep breeders from the clutches of middle men, 12.88 MT wool was purchased at the doorstep of the sheep breeders on reasonable rates by Wool Grading-cum-Marketing Centres at Loharu and Hisar.

**GOAT DEVELOPMENT PROGRAMME**

A goat-breeding unit was established at Government Livestock Farm, Hisar to meet the demand of good quality bucks in the State. The quality bucks of Beetal, A.B. cross, A.B.J.cross, A.J. cross and Beetal cross breeds are maintained breeding purposes. A total of 72 high quality bucks were sold on subsidised rates to the goat breeders during the year under report.

**PIGGERY DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main objective of Piggery Farm, Ambala and Pig Breeding Unit, Hisar was to produce piglets of Yorkshire breed and to supply them to the pig breeders at subsidised rates for breeding purposes. A total of 328 piglets from Ambala and 341 from Hisar were supplied to the pig breeders during this period.

As a result of various programmes being implemented by the Department for Development of Livestock and Poultry in the State, the production of milk, eggs, wool and meat was estimated to rise to 62.67 lac MT, 39640 Lac, 12.86 lac kg. and 125.26 lac kg respectively during the year 2010-11.

**DAIRY**

The main objective of Dairy farming is to provide self employment opportunities to educated unemployed youth of the State through establishment of 20/10/5/3 milch Animals Dairy Units and to ensure availability of good quality compounded cattle feed, concentrates and mineral mixture conforming to the provision of the Cattle Feed Order, 1999 and registering them. The prospective beneficiaries of Dairy units are imparted 11 days dairy training with a view to introduce them to scientific and technical method of dairy farming. 348 persons were imparted dairy training during the year 2010-11.

During the year 2010-11, 1437 units of dairy have been established and 26 cattle feed manufacturers and 111 dealers have been registered and the registration of 260 manufacturers/dealers were renewed for the next three years throughout the State. Registration of 47 dealers have been cancelled during the year 2010-11 in the State.

DR. MAHAVIR SINGH,  
Principal Secretary to Government Haryana,  
Animal Husbandry & Dairying Department.

**पशु पालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की वर्ष 2011-2012 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा**

दिनांक 3 जुलाई, 2015

क्रमांक 3952-प.पा.-4-2015/9268.

प्रस्तुत वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट पशुपालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की 45वीं रिपोर्ट है। हरियाणा प्रदेश प्राचीन काल से अपनी हरियाणा नस्ल की गायों तथा मुराह नस्ल की भैंसों का घर होने के कारण भारत के मान-चित्र पर अपना विशेष स्थान रखता है। संकर प्रजनित पशुओं में चूंकि दूध उत्पादन क्षमता अधिक होती है इसलिए पशुधन में अधिकाधिक उत्पादन क्षमता का संचार करने हेतु संकर प्रजनन प्रणाली राज्य में प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2011-12 के दौरान 6.69 लाख गायों तथा

16.18 लाख भैंसों में कृत्रिम गर्भादान किया गया जिसके फलस्वरूप 3.68 लाख बछड़े/बछड़ियां तथा 5.90 लाख कटड़े/कटड़ियां उत्पन्न हुई।

#### पशु स्वास्थ्य

वर्ष 2011-12 के दौरान हरियाणा राज्य में 2790 पशु संस्थाएं पशु स्वास्थ्य, प्रजनन तथा विभागीय अन्य सभी गतिविधियों हेतु कार्यरत रही हैं।

हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार द्वारा 107.76 लाख टीके तैयार किए गए तथा पशुओं में रोग रोक-थाम हेतु 182.8 लाख टीके पशु चिकित्सा अमले द्वारा लगाए गए।

#### विशेष पशुधन प्रजनन कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2011-12 में संकर बछड़ी पालन के लिए 625 परिवारों को सान्द्रण दाने के रूप में अनुदान दिया गया। इसके अतिरिक्त भेड़ पालन के लिए 52 व सूकर पालन इकाइयों के लिए 58 परिवारों को अनुदान दिया गया इसके अतिरिक्त 2 दुधारू पशुओं की 515 इकाइयां स्थापित करवाकर उनको भी अनुदान राशि प्रदान की गई।

#### भेड़ तथा ऊन विकास कार्यक्रम

भेड़ प्रजनन फार्म हिसार का मुख्य उद्देश्य बढ़िया नस्लों के मेंढे उत्पन्न करके प्रजनन कार्य हेतु भेड़ पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2011-12 के दौरान इस फार्म के 303 उत्तम नस्ल के मेंढे भेड़ पालकों को प्रजनन हेतु दिए गए।

ऊन श्रेणीकरण केन्द्र, लोहार तथा हिसार द्वारा भेड़ पालकों को दलालों के चंगुल से बचाने के लिए उनके घरों से ही उचित दामों पर 18.30 मीट्रिक टन ऊन खरीदी।

#### बकरी विकास कार्यक्रम

उत्तम नस्ल के बकरीयों की मांग को राज्य में ही पूरा करने के लिए एक बकरी प्रजनन यूनिट की स्थापना राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में की गई। यहाँ प्रजनन हेतु उत्तम नस्लों के बकरे पैदा करने के लिए बिट्टल, ए. बी. क्रास, ए.बी. जे. क्रास, ए. जे. क्रास तथा बिट्टल क्रास नस्ल की बकरियां रखी हुई हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 85 उत्तम नस्लों के बकरे रियायती कीमत पर बकरी पालकों को दिए गए।

#### सूकर विकास कार्यक्रम

राजकीय सूकर फार्म अम्बाला तथा सूकर प्रजनन इकाई हिसार का मुख्य उद्देश्य यार्कशायर नस्ल के सूकर पैदा करके प्रजनन हेतु सूकर पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2011-12 में राजकीय सूकर फार्म, अम्बाला से 266 तथा सूकर फार्म इकाई हिसार से 342 सूकर सूकर पालकों को दिए गए।

राज्य में पशुधन एवं कुक्कुट विकास हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप वर्ष 2011-12 में सैम्पल सर्वे के आधार पर दूध, अण्डा, ऊन तथा मांस की पैदावार क्रमशः 66.61 लाख मीट्रिक टन दूध, 41140 लाख अण्डा, 13.32 लाख किलोग्राम ऊन तथा 132.07 लाख किलोग्राम मांस का उत्पादन अनुमानित किया गया।

#### डेयरी

डेयरी व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवकों को 20/10/5/3 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करवाने व पशु आहार निर्माता एवं व्यवहारियों से मिश्रित पशु आहार, सांद्रण एवं खनिज तथा लवण की गुणवत्ता, समरूपता को पशु आहार आदेश 1999 के आधार पर सुनिश्चित करना तथा उनका पंजीकरण करना व भावी लाभ प्राप्तकर्ताओं हेतु 11 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण आयोजित कर उन्हें डेयरी व्यवसाय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी साधनों से परिचित करवाना है। वर्ष 2011-12 के दौरान 275 व्यक्तियों को डेयरी प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2011-12 के दौरान 1902 डेयरी यूनिट स्थापित की गई तथा 46 पशु आहार निर्माताओं व 127 व्यवहारियों को पंजीकृत किया गया और पूरे राज्य में 210 निर्माताओं एवं व्यवहारियों का अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया तथा 90 पंजीकरण रद्द किए गए।

डॉ० महावीर सिंह,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग।

#### REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2011-2012.

The 3rd July, 2015

No. 3952-P.Pa.-4-2015/9268.

The present animal administrative report is the 45 th issue of Animal Husbandry and Dairying Department, Haryana. The State has a special place on the map of India, being the home track of Haryana breed of cows and Murrah breed of buffaloes from ancient times. During the year 2011-12, 6.69 lac cows and 16.18 lac buffaloes have been inseminated and as a result 3.78 lac cow calves and 5.90 lac buffalo calves were born.



**ANIMAL HEALTH**

2790 veterinary institutions remained in force for attending health care, breeding work and other activities of the Department during the year 2011-12.

Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hisar produced 107.76 lac doses of prophylactic vaccines and 182.8 lac preventive vaccinations were performed by the veterinary staff.

**SPECIAL LIVESTOCK BREEDING PROGRAMME (SCSP)**

Under this programme 648 families belonging to Scheduled Castes were given subsidy for the setting up of 538 units of 2 milch animals, 52 sheep units and 58 piggery units.

**SHEEP AND WOOL DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main objective of Sheep Breeding Farm, Hisar is to produce and supply good quality rams to the breeders at subsidized rates. During the year 2011-12, 303 rams of good breed were supplied to the sheep breeders for breeding purpose.

To save sheep breeders from the clutches of middle men, 18.30 MT wool was purchased at the doorstep of the sheep breeders on reasonable rates by Wool Grading-cum-Marketing Centres at Loharu and Hisar.

**GOAT DEVELOPMENT PROGRAMME**

A goat Breeding Unit was established at Government Livestock Farm, Hisar to meet the demand of good quality bucks in the State. The quality bucks of Beetal, A.B. cross, A.B.J. cross, A.J. cross and Beetal cross breeds are maintained for breeding purposes. A total of 85 high quality bucks were sold on subsidised rates to the goat breeders during this period.

**PIGGERY DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main objective of Piggery Farm, Ambala and Pig Breeding Farm, Hisar is to produce piglets of Yorkshire breed and to supply them to the pig breeders at subsidised rates for breeding purposes. 266 piglets from Ambala and 342 from Hisar were supplied to the pig breeders during this period.

As a result of various programmes being implemented by the department for the development of livestock and poultry in the State, the production of milk, eggs, wool and meat was estimated to 66.60 lac MTs, 41140 Lacs, 13.32 lac kgs. and 132.07 lac kgs respectively during the year 2011-12.

**DAIRY**

The main objective of dairy farming is to provide self employment opportunities to educated unemployed youth of the State through establishment of 20/10/5/3 milch animals dairy units and to ensure availability of good quality compounded cattle feed, concentrates and mineral mixture conforming to the provision of the Cattle Feed Order, 1999. The prospective beneficiaries of dairy units have been imparted 11 days dairy training with a view to introduce them to scientific and technical method of dairy farming. A total of 275 persons were imparted dairy training during the year 2011-12.

During the year 2011-12, 1902 units of dairy have been established, 46 cattle feed manufacturers, 127 dealers have been registered and the registration of 210 manufacturers/dealers were renewed for the next three years through out the State. Likewise 90 registrations have been cancelled during the year 2011-12 in the State.

DR. MAHAVIR SINGH,  
Principal Secretary to Government Haryana,  
Animal Husbandry & Dairying Department.

**पशु पालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की वर्ष 2012-2013 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा**

दिनांक 3 जुलाई, 2015

क्रमांक 3952-प.पा.-4-2015/9268.

प्रस्तुत वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट पशुपालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की 46वीं रिपोर्ट है। हरियाणा प्रदेश प्राचीन काल से अपनी हरियाणा नस्ल की गायों तथा मुराह नस्ल की भैंसों का घर होने के कारण भारत के मान-चित्र पर अपना विशेष स्थान रखता है। संकर प्रजनित पशुओं में चूँकि दूध उत्पादन क्षमता अधिक होती है इसलिए पशुधन में अधिकाधिक उत्पादन क्षमता का संचार करने हेतु संकर प्रजनन प्रणाली राज्य में प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2012-2013 के दौरान 5.85 लाख गायों तथा 16.68

लाख भैंसों में कृत्रिम गर्भादान किया गया जिसके फलस्वरूप 2.66 लाख बछड़े/बछड़ियां तथा 5.95 लाख कटड़े/कटड़ियां उत्पन्न हुई।

### **पशु स्वास्थ्य**

वर्ष 2012-2013 के दौरान हरियाणा राज्य में 2790 पशु संस्थाएं पशु स्वास्थ्य, प्रजनन तथा विभागीय अन्य सभी गतिविधियों हेतु कार्यरत रही हैं।

हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार द्वारा 120.68 लाख टीके तैयार किए गए तथा पशुओं में रोग रोक-थाम हेतु 107.76 लाख टीके पशु चिकित्सा अमले द्वारा लगाए गए।

### **विशेष पशुधन प्रजनन कार्यक्रम**

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2012-2013 में संकर बछड़ी पालन के लिए 828 परिवारों को सान्द्रण दाने के रूप में अनुदान दिया गया। इसके अतिरिक्त भेड़ पालन के लिए 102 व सूकर पालन इकाइयों के लिए 37 परिवारों को अनुदान दिया गया इसके अतिरिक्त 2 दुधारु पशुओं की 760 इकाइयां स्थापित करवाकर उनको भी अनुदान राशि प्रदान की गई।

### **भेड़ तथा ऊन विकास कार्यक्रम**

भेड़ प्रजनन फार्म हिसार का मुख्य उद्देश्य बढ़िया नस्लों के मेंढे उत्पन्न करके प्रजनन कार्य हेतु भेड़ पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2012-2013 के दौरान इस फार्म के 264 उत्तम नस्ल के मेंढे भेड़ पालकों को प्रजनन हेतु दिए गए।

ऊन श्रेणीकरण केन्द्र, लोहारु तथा हिसार द्वारा भेड़ पालकों को दलालों के चंगुल से बचाने के लिए उनके घरों से ही उचित दामों पर 15.440, कि०ग्रा० ऊन खरीदी।

### **बकरी विकास कार्यक्रम**

उत्तम नस्ल के बकरी की मांग को राज्य में ही पूरा करने के लिए एक बकरी प्रजनन यूनिट की स्थापना राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में की गई। यहां प्रजनन हेतु उत्तम नस्लों के बकरे पैदा करने के लिए बिट्टल, ए. बी. क्रास, ए.बी. जे. क्रास, ए. जे. क्रास तथा बिट्टल क्रास नस्ल की बकरियां रखी हुई हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 45 उत्तम नस्लों के बकरे रियायती कीमत पर बकरी पालकों को दिए गए।

### **सूकर विकास कार्यक्रम**

राजकीय सूकर फार्म अम्बाला तथा सूकर प्रजनन इकाई हिसार का मुख्य उद्देश्य यार्कशायर नस्ल के सूकर पैदा करके प्रजनन हेतु सूकर पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2012-2013 में राजकीय सूकर फार्म, अम्बाला से 146 तथा सूकर फार्म इकाई हिसार से 353 सूकर सूकर पालकों को दिए गए।

राज्य में पशुधन एवं कुक्कुट विकास हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप वर्ष 2012-2013 में सैम्पल सर्वे के आधार पर दूध, अण्डा, ऊन तथा मांस की पैदावार क्रमशः 70.40 लाख टन दूध, 42322 लाख अण्डा, 13.70 लाख किलोग्राम ऊन तथा 138.95 लाख किलोग्राम मांस का उत्पादन अनुमानित किया गया।

### **डेयरी**

डेयरी व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवकों को 20/10/5/3 दुधारु पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करवाने व पशु आहार निर्माता एवं व्यवहारियों से मिश्रित पशु आहार, सांद्रण एवं खनिज तथा लवण की गुणवत्ता, समरूपता को पशु आहार आदेश 1999 के आधार पर सुनिश्चित करना तथा उनका पंजीकरण करना व भावी लाभ प्राप्तकर्ताओं हेतु 11 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण आयोजित कर उन्हें डेयरी व्यवसाय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी साधनों से परिचित करवाना है। वर्ष 2012-2013 के दौरान 828 व्यक्तियों को डेयरी प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2012-2013 के दौरान 1767 डेयरी यूनिट स्थापित की गई तथा 106 पशु आहार निर्माताओं व 181 व्यवहारियों को पंजीकृत किया गया और पूरे राज्य में 299 निर्माताओं एवं व्यवहारियों का अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया तथा 45 पंजीकरण रद्द किए गए।

डॉ० महावीर सिंह,

प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,

पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग।

**REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF ANIMAL HUSBANDRY AND  
DAIRYING DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2012-2013.**

The 3rd July, 2015

**No. 3952-P.Pa.-4-2015/9268.**

The present animal administrative report is the 46 th issue of Animal Husbandry and Dairying Department, Haryana. The State has a special place in livestock sector on the map of India, being the home track of Haryana breed of cows and Murrah breed of buffaloes from ancient times. During the year 2012-13, 5.85 lac cows and 16.68 lac buffaloes have been inseminated and as a result 2.66 lac cow calves and 5.95 lac buffalo calves of improved genetic merit were born.

**ANIMAL HEALTH**

2790 veterinary institutions remained in operation for attending health care, breeding work and other activities of the Department during the year 2012-13.

Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hisar produced 121.06 lac doses of prophylactic vaccines and 107.76 lac preventive vaccinations were performed by the veterinary staff.

**SPECIAL LIVESTOCK BREEDING PROGRAMME (SCSP)**

Under this programme 828 families belonging to Scheduled Castes were given subsidy for the setting up of 760 units of 2 milch animals, 31 sheep units and 37 piggery units.

**SHEEP AND WOOL DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main objective of Sheep Breeding Farm, Hisar is to produce and supply good quality rams to the breeders at subsidized rates. During the year 2012-13, 264 rams of good breed were supplied to the sheep breeders for breeding purpose.

To save sheep breeders from the clutches of middle men, 15.440 kgs wool was purchased at the doorstep of the sheep breeders on reasonable rates by Wool Grading-cum-Marketing Centres at Loharu and Hisar.

**GOAT DEVELOPMENT PROGRAMME**

A goat Breeding Unit was established at Government Livestock Farm, Hisar to meet the demand of good quality bucks in the State. The quality bucks of Beetal, A.B. cross, A.B.J. cross, A.J. cross and Beetal cross breeds are maintained for breeding purposes. A total of 45 high quality bucks were sold on subsidised rates to the goat breeders during this period.

**PIGGERY DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main objective of Piggery Farm, Ambala and Pig Breeding Farm, Hisar is to produce piglets of Yorkshire breed and to supply them to the pig breeders at subsidised rates for breeding purpose. 146 piglets from Ambala and 353 from Hisar were supplied to the pig breeders during this period.

As a result of various programmes being implemented by the department for the development of livestock and poultry in the State, the production of milk, eggs, wool and meat was estimated to 70.40 lac tonnes, 42322 Lacs 13.70 lac kgs. and 138.95 lac kgs respectively during the year 2012-13.

**DAIRY**

The main objective of dairy farming is to provide self employment opportunities to educated unemployed youth of the State through establishment of 20/10/5/3 milch animals dairy units and to ensure availability of good quality compounded cattle feed, concentrates and mineral mixture conforming to the provision of the Cattle Feed Order, 1999. The prospective beneficiaries of dairy units have been imparted 11 days dairy training with a view to introduce them to scientific and technical method of dairy farming. A total of 576 persons were imparted dairy training during the year 2012-13.

During the year 2012-13, 1767 units of dairy have been established, 106 cattle feed manufacturers, 181 dealers have been registered and the registration of 384 manufacturers/dealers were renewed for the next three years throughout the State. Likewise 45 registrations have been cancelled during the year 2012-13 in the State.

DR. MAHAVIR SINGH,  
Principal Secretary to Government Haryana,  
Animal Husbandry & Dairying Department.

**पशु पालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की वर्ष 2013-2014 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा**

दिनांक 3 जुलाई, 2015

क्रमांक 3952-प.पा.-4-2015/9268.

प्रस्तुत वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट पशुपालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की 47वीं रिपोर्ट है। हरियाणा प्रदेश प्राचीन काल से अपनी हरियाणा नस्ल की गायों तथा मुराह नस्ल की भैंसों का घर होने के कारण भारत के मान-चित्र पर अपना विशेष स्थान रखता है। संकर प्रजनित पशुओं में चूंकि दूध उत्पादन क्षमता अधिक होती है इसलिए पशुधन में अधिकाधिक उत्पादन क्षमता का संचार करने हेतु संकर प्रजनन प्रणाली राज्य में प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2013-2014 के दौरान 7.30 लाख गायों तथा 19.77 लाख भैंसों में कृत्रिम गर्भादान किया गया जिसके फलस्वरूप 2.79 लाख बछड़े/बछड़ियां तथा 7.03 लाख कटड़े/कटड़ियां उत्पन्न हुई।

**पशु स्वास्थ्य**

वर्ष 2013-2014 के दौरान हरियाणा राज्य में 2796 पशु संस्थाएं पशु स्वास्थ्य, प्रजनन तथा विभागीय अन्य सभी गतिविधियों हेतु कार्यरत रही हैं।

हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार द्वारा 153.17 लाख टीके तैयार किए गए तथा पशुओं में रोग रोक-थाम हेतु 263.80 लाख टीके पशु चिकित्सा अमले द्वारा लगाए गए।

**विशेष पशुधन प्रजनन कार्यक्रम**

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2013-2014 में संकर बछड़ी पालन के लिए 971 परिवारों को दाने के रूप में अनुदान दिया गया। इसके अतिरिक्त भेड़ पालन के लिए 27 व सूकर पालन इकाइयों के लिए 44 परिवारों को अनुदान दिया गया इसके अतिरिक्त 2 दुधारू पशुओं की 900 इकाइयां स्थापित करवाकर उनको भी अनुदान राशि प्रदान की गई।

**भेड़ तथा ऊन विकास कार्यक्रम**

भेड़ प्रजनन फार्म हिसार का मुख्य उद्देश्य बढ़िया नस्लों के मेंढे उत्पन्न करके प्रजनन कार्य हेतु भेड़ पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2013-2014 के दौरान इस फार्म के 616 उत्तम नस्ल के मेंढे भेड़ पालकों को प्रजनन हेतु दिए गए।

ऊन श्रेणीकरण केन्द्र, लोहारु तथा हिसार द्वारा भेड़ पालकों को दलालों के चंगुल से बचाने के लिए उनके घरों से ही उचित दामों पर 17.25 कि०ग्रा० ऊन खरीदी।

**बकरी विकास कार्यक्रम**

उत्तम नस्ल के बकरी की मांग को राज्य में ही पूरा करने के लिए एक बकरी प्रजनन यूनिट की स्थापना राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में की गई। यहां प्रजनन हेतु उत्तम नस्लों के बकरे पैदा करने के लिए बिट्टल, ए. बी. क्रास, ए.बी. जे. क्रास, ए. जे. क्रास तथा बिट्टल क्रास नस्ल की बकरियां रखी हुई हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 44 उत्तम नस्लों के बकरे रियायती कीमत पर बकरी पालकों को दिए गए।

**सूकर विकास कार्यक्रम**

राजकीय सूकर फार्म अम्बाला तथा सूकर प्रजनन इकाई हिसार का मुख्य उद्देश्य यार्कशायर नस्ल के सूकर पैदा करके प्रजनन हेतु सूकर पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2013-2014 में राजकीय सूकर फार्म, अम्बाला से 119 तथा सूकर फार्म इकाई हिसार से 288 सूकर, सूकर पालकों को दिए गए।

राज्य में पशुधन एवं कुक्कुट विकास हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप वर्ष 2013-2014 में सैम्पल सर्वे के आधार पर दूध, अण्डा, ऊन तथा मांस की पैदावार क्रमशः 74.42 लाख टन दूध, 43591 लाख अण्डा, 13.91 लाख किलोग्राम ऊन तथा 144.90 लाख किलोग्राम मांस का उत्पादन अनुमानित किया गया।

**डेयरी**

डेयरी व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवकों को 20/10/5/3 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित कर स्वरोजगार के अवसर प्रदान करवाने व पशु आहार निर्माता एवं व्यवहारियों से मिश्रित पशु आहार, सांद्रण एवं खनिज तथा लवण की गुणवत्ता, समरूपता को पशु आहार आदेश 1999 के आधार पर सुनिश्चित करना तथा उनका पंजीकरण करना व भावी लाभ प्राप्तकर्ताओं हेतु 11 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण आयोजित कर उन्हें डेयरी व्यवसाय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी साधनों से परिचित करवाना है। वर्ष 2013-2014 के दौरान 454 व्यक्तियों को डेयरी प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2013-2014 के दौरान 1952 डेयरी यूनिट स्थापित की गई तथा 96 पशु आहार निर्माताओं व 260 व्यवहारियों को पंजीकृत किया गया और पूरे राज्य में 816 निर्माताओं एवं व्यवहारियों का अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया तथा 5 पंजीकरण रद्द किए गए।

डॉ० महावीर सिंह,  
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,  
पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग।

**REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2013-2014.**

The 3rd July, 2015

**No. 3952-P.Pa.-4-2015/9268.**

The present annual administrative report is the 47th issue of Animal Husbandry and Dairying Department, Haryana. Being the home track of Haryana breed of cows and Murrah breed of buffaloes from ancient times the State has a special place in livestock sector on the map of India. During the year 2013-14, 7.30 lac cows and 19.77 lac buffaloes have been inseminated and as a result 2.79 lac cow calves and 7.03 lac buffalo calves of improved genetic merit were born.

**ANIMAL HEALTH**

2796 veterinary institutions remained in operation for attending health care, breeding work and other activities of the Department during the year 2013-14.

Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hisar produced 153.17 lac doses of prophylactic vaccines and 263.80 lac preventive vaccinations were performed by the veterinary staff.

**SPECIAL LIVESTOCK BREEDING PROGRAMME (SCSP)**

Under this programme 971 families belonging to Scheduled Castes were given subsidy in the shape of concentrates for calf rearing. In addition 900 units of 2 milch animals, 27 sheep units and 44 piggery units were established.

**SHEEP AND WOOL DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main objective of Sheep Breeding Farm, Hisar is to produce and supply good quality rams to the breeders at subsidized rates. During the year 2013-14, 616 rams of good breed were supplied to the sheep breeders for breeding purpose.

To save sheep breeders from the clutches of middle men, 17.25 kgs wool was purchased at the doorstep of the sheep breeders on reasonable rates by Wool Grading-cum-Marketing Centres at Loharu and Hisar.

**GOAT DEVELOPMENT PROGRAMME**

A goat Breeding Unit was established at Government Livestock Farm, Hisar to meet the demand of good quality bucks in the State. The quality bucks of Beetal, A.B. cross, A.B.J. cross, A.J. cross and Beetal cross breeds are maintained for breeding purposes. A total of 44 high quality bucks were sold on subsidised rates to the goat breeders during this period.

**PIGGERY DEVELOPMENT PROGRAMME**

The main objective of Piggery Farm, Ambala and Pig Breeding Farm, Hisar is to produce piglets of Yorkshire breed and to supply them to the pig breeders at subsidised rates for breeding purpose. 119 piglets from Ambala and 288 from Hisar were supplied to the pig breeders during this period.

As a result of various programmes being implemented by the department for the development of livestock and poultry in the State, the production of milk, eggs, wool and meat was estimated to 74.42 lac tonnes, 43591 Lacs, 13.91 lac kgs. and 144.90 lac kgs, respectively during the year 2013-14.

**DAIRY**

The main objective of dairy farming is to provide self employment opportunities to educated unemployed youth of the State through establishment of 20/10/5/3 milch animals dairy units and to ensure availability of good quality compounded cattle feed, concentrates and mineral mixture conforming to the provision of the Cattle Feed Order, 1999. The prospective beneficiaries of dairy units have been imparted 11 days dairy training with a view to introduce them to scientific and technical method of dairy farming. A total of 454 persons were imparted dairy training during the year 2013-14.

During the year 2013-14, 1952 units of dairy have been established, 96 cattle feed manufacturers, 260 dealers have been registered and the registration of 816 manufacturers/dealers were renewed for the next three years throughout the State. Likewise 5 registrations have been cancelled during the year 2013-14 in the State.

DR. MAHAVIR SINGH,  
Principal Secretary to Government Haryana,  
Animal Husbandry & Dairying Department.